बच्चों को 18 महीने की आयु पर निश्चित डिप्थिरिया, टेटेनस, और काली खाँसी का टीका उपलब्ध कराता है।

डिप्थिरिया
डिप्थिरिया मूंड, गले और नाक में पाए जाने वाले जीवाणु द्वारा होता है। डिप्थिरिया के कारण गले के अंदर में चारों और एक जिल्ली विकसित होती है। इससे चूंकि लेने में परेशानी और झुकाव होता है और बच्चे के तेजी से उत्साहित होते हैं। जीवाणुएं एक विस्फोट-पात्र पैदा करता है जो शरीर में हर तरफ फैल सकता है और इसमें जंतुलाल समस्याएं पैदा हो सकती हैं जैसे कि लक्षण और दूध की स्वच्छता। डिप्थिरिया ने संक्रमित नाशक 10% व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है।

कोई व्यक्ति किसी संक्रमित व्यक्ति की खाँसी या दूध से निकलने वाले जीवाणुओं के द्वारा डिप्थिरिया से प्रभावित हो सकता है।

टेटेनस
टेटेनस हून, चूल और मस्त में मोडूँ जीवाणु द्वारा होता है। जीवाणु इसी घाव के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकता है, जो जुड़ जुड़ने वाले एक मामूली चाव भी हो सकता है। टेटेनस किसी एक व्यक्ति से किसी दूसरे व्यक्ति में संक्रमित नहीं किया जा सकता है।

टेटेनस प्रभाव एक जालवैणिक रोग होता है जो तंतुका-तंतु पर आक्रमण करता है। इसमें संस्थ-पेशियों में एंटी पैदा होती है जो सबसे पहले गले और जबड़े की मामूली पेशियों में महसूस होती है। टेटेनस के कारण मास लेने के कठोर, पीड़ादायक रोगों और असामान्य दूध-नाशक हो सकती है।

प्रभावी दीर्घकारण के कारण ऑनलाइन में टेटेनस अदृश्य है, पर यह अभी भी उन व्यक्तियों में पाया जाता है जिन्हें कभी-कभी इस रोग से प्रभावित करने का टीका या यह स्टूटर टीका नहीं लगाया गया है।

व्यूपिंग कप (काली खाँसी)
काली खाँसी एक अपमानजनक संक्रमण रोग है जो संस्थ की नलिकाओं और संस्थ लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। इस रोग के कारण खाँसी के नेशन डॉर्टर ने आते हैं। इन दौरे के बीच बच्चा संस्थ लेने के लिए हबा अंदर श्वास नहीं होता। अपार खाँसी के दौरे के बाद उनकी होती है और खाँसी कई महीनों तक बनी रह सकती है।

काली खाँसी 12 महीने से कम उम्र के बच्चों में सबसे गंभीर होती है और इससे अक्सर असंभव में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ती है। काली खाँसी के कारण रक्तक्षाल, अकार्डिया, नफोमिया, बेगोनी, दिमाग में मृत्यु , रक्तमें मध्यवर्ती क्षति और नंबर संयम तक के लिए फेफड़ों की क्षति हो सकती है। काली खाँसी में संक्रमित छ: माह से कम उम्र के हृदय 200 ब्लड़ के से लगभग एक बच्चे की मृत्यु हो जाएगी।

काली खाँसी को संक्रमित व्यक्ति की खाँसी या दूध से निकलने वाली जीवाणु द्वारा हो सकती है। लुक्स्सुनों को माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य से मुक्त्त; यह संक्रमण होता है।

डिप्थिरिया-टेटेनस-काली खाँसी का टीकाकरण
डिप्थिरिया, टेटेनस और काली खाँसी का दूसरा रोगकार एक गुरुत्वात्मक एवं बौनी संयुक्त टीके से की जा सकती है।

टीके में डिप्थिरिया और टेटेनस टीकिया की छोटी माता मोडूँ होती है, जिन्हें हानिकारद बनाने के लिए संयोजित किया जाता है। इसमें एंटीबायोटिक्स (जटीकियों) और पत्तिकों का क्षेत्र मात्रा के साथ पट्टिम जीवाणु के विनियम अथवा अभी आमतौर होते हैं।

बच्चों को 18 महीने की आयु पर इस टीके की निजिकूल बुटर खुराक दी जानी चाहिए.
दिच्चिरिया-टेटेनस-काली खाँसी के टीके के संभावित दुःखाव

dिच्चिरिया-टेटेनस-काली खाँसी के टीके से होने वाली प्रतिक्रियाएँ, रोगियों से होने वाली समस्याओं से बहुत कम बार होती हैं।

सामान्य दुःखाव:

- निरंतर रोशनी, रोशनी, अशांत और सामान्यतः नाकूल
- सुपृथित व शकायत
- हल्का बुखार
- सूजन लगाने के स्थान पर पीड़ा, लालिलिता और सूजन
- सूजन लगाने के स्थान पर अन्यथा छोटी गांठ।

असामान्य दुःखाव:

- विश्वास स्थानीय प्रतिक्रिया।
- कमी-कमी दिच्चिरिया-टेटेनस-काली खाँसी के टीके की बुखार खुराक अंग पर लालिलिता और सूजन की बहुत बड़ी स्थानीय प्रतिक्रिया फैला कर सकती है।
- इस प्रतिक्रिया की सूचना आपके दीक्षाकरण प्रदाता को दी जानी चाहिए और इसके लिए डॉक्टर के पास जाना पड़ सकता है।

अत्यंत दुःखाव दुःखाव:

- सम्पर्क एवं स्थानीय प्रतिक्रिया।
- यदि हाली प्रतिक्रिया होती हैं, तो हो सकता है कि ये एक से दो दिन तक रहे। दुःखावों को निरस्त्रित करके कम किया जा सकता है:
  - सूजन लगाने के सूजे हुए स्थान पर ठंडा व गीला कपड़ा रखकर
  - यदि आपकी संतान को बुखार है तो उसे अतिरिक्त पेय पदार्थ देकर और जरूरत में स्वाभाविक रुपांतरण देकर (अपनी संतान की आयु के लिए सुविधाएं गई खुराक का ध्यान में रखें)
  - यदि प्रतिक्रियाएं गंभीर हों या लागतार हो रही हों, तो आप चिकित्सा सेवा लेने वाले लिंक के लिए करें।

टीकाकरण से पूर्व की जांच-सूची

इससे पहले की आपकी संतान को टीका लगे, यदि निरस्त्रित रूप से से कोई निष्कर्ष नापू तो अपने डॉक्टर या तर्म को बताएँ:

- यदि आपकी संतान टीका लगने के दिन अस्वस्थ हो (38.5 °C से अधिक बुखार)।
- आपकी संतान को किसी टीके से मंचन की प्रतिक्रिया हुई हो।
- आपकी संतान को टीका के किसी संस्थान (उदाहरण: नियोमाइडस)से मंचन की प्रतिक्रिया हुई हो।

अधिक जानकारी

निरस्त्रित सेवाएं अधिक जानकारी प्रदान करते हैं:

www.betterhealthchannel.vic.gov.au
www.immunise.health.gov.au

ट्रेडिशनल में सुनाया होने के लिए immunisation@dhhs.vic.gov.au पर ई-मेल करें

अनुबांड एवं दुःखाया सेवा

131 450 पर कॉल करें
Diphtheria, tetanus, and pertussis (whooping cough)

Immunisation Information

The National Immunisation Program schedule provides free diphtheria-tetanus-whooping cough vaccine to children at 18 months of age.

Diphtheria

Diphtheria is caused by bacteria which are found in the mouth, throat and nose. Diphtheria causes a membrane to grow around the inside of the throat. This can make it difficult to swallow, breathe and can even lead to suffocation.

The bacteria produce a poison which can spread around the body and cause serious complications such as paralysis and heart failure. Around 10 per cent of people who contract diphtheria die from it.

Diphtheria can be caught through coughs and sneezes from an infected person.

Tetanus

Tetanus is caused by bacteria which are present in soils, dust and manure. The bacteria can enter the body through a wound which may be as small as a pin prick. Tetanus cannot be passed from person to person.

Tetanus is an often fatal disease which attacks the nervous system. It causes muscle spasms first felt in the neck and jaw muscles. Tetanus can lead to breathing difficulties, painful convulsions and abnormal heart rhythms.

Because of the effective immunisation, tetanus is now rare in Australia, but it still occurs in people who have never been immunised against the disease or who have not had their booster vaccines.

Whooping cough

Whooping cough is a highly contagious disease which affects the air passages and breathing. The disease causes severe coughing spasms. Between these spasms, the child gasps for breath. Coughing spasms are often followed by vomiting and the cough can last for months.

Whooping cough is most serious in babies under 12 months of age and often requires admission to hospital. Whooping cough can lead to complications such as haemorrhage, convulsions, pneumonia, coma, inflammation of the brain, permanent brain damage and long term lung damage. Around one in every 200 children under six months of age who catches whooping cough will die.

Whooping cough can be caught through coughs and sneezes from an infected person. Parents and family members are the main source of infection for babies.

Diphtheria-tetanus-whooping cough immunisation

Diphtheria, tetanus and whooping cough can be prevented with a safe and effective combination vaccine.

The vaccine contains a small amount of diphtheria and tetanus toxins, which are modified to make them harmless. It also contains purified parts of the pertussis bacterium with small amounts of antibiotics and preservative.

Children should have a free booster dose of this vaccine at 18 months of age.
Possible side effects of diphtheria-tetanus-whooping cough vaccine

Reactions to diphtheria-tetanus-whooping cough vaccine are much less frequent than the complications of the diseases.

Common side effects:

- irritable, crying, unsettled and generally unhappy
- drowsiness or tiredness
- low grade fever
- soreness, redness and swelling at the injection site
- a temporary small lump at the injection site.

Uncommon side effect:

- large local reaction.

Sometimes a booster dose of diphtheria-tetanus-whooping cough vaccine can cause a very large local reaction of redness and swelling to the limb.

This reaction should be reported to your immunisation provider and may require a visit to the doctor.

Extremely rare side effect:

- severe allergic reaction.

If mild reactions do occur, they may last one to two days. The side effects can be reduced by:

- placing a cold, wet cloth on the sore injection site
- giving extra fluids and not overdressing if your child has a fever
- giving your child paracetamol to reduce any discomfort (note the recommended dose for the age of your child)
- If reactions are severe or persistent, or if you are worried, contact your doctor or hospital.

Pre-immunisation checklist

Before your child is immunised, tell the doctor or nurse if any of the following apply:

- Are unwell on the day of immunisation (temperature over 38.5 °C).
- Have had a severe reaction to any vaccine.
- Have a severe allergy to any vaccine component (for example, neomycin).

Further information

The following websites offer further information:

www.betterhealthchannel.vic.gov.au
www.immunise.health.gov.au